नए साल में 800 फ्लैट का तोहफा देगा एडीए

जासं, इलाहाबाद

- आनंद विहार योजना में उच्च, मध्यम व निम्न मध्यम वर्ग के लिए बनेंगे आवास
- शांतिपुरम में बनने वाली इस आवासीय योजना का अगले साल आवंटन संभव

नए साल के आने में अब डेढ़ माह से भी कम वक्त बचा है। आवासों की तंगी से जूझ रहे शहर को इस नए साल में इलाहाबाद विकास प्राधिकरण 800 अफोर्डेबल फ्लैटों का तोहफा देगा। एडीए फिलहाल इसकी तैयारियों में लगा है और संभावना जताई जा रही है कि अगले साल ही इनका आवंटन भी शुरू हो सकता है।

इलाहाबाद शहर में आवासों की बेहद कमी है। यहां बाहर से आकर शिक्षा ग्रहण करने वाले व प्रतियोगी छात्रों की वजह से बड़े पैमाने पर आवास की जरूरत है। आवासों की कमी की वजह से ही शहर में भवनों का किराया भी बेहद महंगा है। जमीन भी महंगी होने की वजह से आम आदमी के लिए अपनी छत का सपना

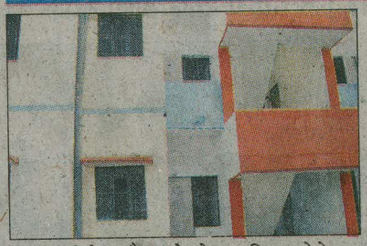

साकार नहीं हो रहा है। यह देखते हुए प्राधिकरण ने ये 800 फ्लैट बनाने का निर्णय लिया है। फाफामऊ के शांतिपुरम में बनने वाली इस आवासीय योजना में 25 लाख रुपये से 50 लाख रुपये तक के फ्लैट बनाने की योजना है।

यह काम देश के नामी गिरामी कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिए जाने की तैयारी है। ताकि इन भवनों के निर्माण की गुणवत्ता भी बेहतर रहे। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष देवेंद्र पांडेय बताते हैं कि यह योजना सभी वर्गों के लिए लांच की जाएगी। इसके अलावा इसमें गुणवत्ता का बेहद ख्याल रखा जाएगा। फिलहाल अभी इस योजना पर काम चल रहा है। अगले वर्ष इसके परिणाम सामने आ जाएंगे। इससे शहर के लोगों को उनकी क्षमता के अनुरूप कीमत पर फ्लैट मिल जाएंगे।

दैनिक जागरण 19/11/16

ऊंची इमारतों में लगाई गई काली कमाई

अफसरों ने गलत तरीकों से कमाई अकूत संपत्ति

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद।

काली कमाई करने वाले कई विभागों के अफसर और बाबुओं की बिल्डरों से भी तगड़ी सेटिंग है। गलत तरीकों से कमाई गई रकम का बड़ा हिस्सा बिल्डरों के जरिए बहुमंजिला अपार्टमेंट के निर्माण में भी लगा रखा है। इसमें एडीए के कई पूर्व अफसरों के साथ अभियंता, कुछ बाबू समेत लोक निर्माण विभाग, आरटीओ कार्यालय, वाणिज्य कर विभाग, जिला प्रशासन के अफसर और बाबू भी लिप्त हैं। इन सरकारी मुलाजिमों ने काली कमाई के बाद उसे खपाने और खुद को बचाने के लिए हर जतन किए हैं। लेकिन आने वाले समय में यदि मोदी सरकार बेनामी संपत्ति के खिलाफ कोई कदम उठाती है तो ऐसे लोगों की मुसीबत बढ़ने जा रही है।

बड़े-बड़े हो जाएंगे कंगाल

कई सरकारी कार्यालयों के अफसर और बाबुओं ने बेहद शातिराना तरीके से करोड़ों में काली कमाई की है। पिछले चार-पांच सालों में शहर के विभिन्न इलाकों में तेजी से बने निजी बहुमंजिला अपार्टमेंट्स में ऐसे लोगों ने काली कमाई का बड़ा हिस्सा लगा रखा है। एडीए के कई अभियंता ऐसे हैं जिनके शहर के अलग-अलग इलाकों में बड़े-बड़े व्यावसायिक भवन हैं। यह भवन उनकी पत्नी, बच्चों या फिर परिवार के किसी अन्य सदस्य के नाम है। आय से अधिक संपत्ति वाले ऐसे अफसर और बाबू आयकर रिटर्न में सही-सही ब्योरा नहीं भरते, बल्कि आय छिपाने के रास्ते तलाशने के

आयकर विभाग के निशाने पर हैं कई मुलाजिम

सरकार के निर्देश पर आयकर विभाग ऐसे अफसरों और बाबुओं की सूची तैयार कर रहा है। बेहद गोपनीय तरीके से उनके वेतन, बैंक खातों आदि का हिसाब लिया जा रहा है। आयकर विभाग के सूत्रों की मानें काली कमाई करने वाले कुछ अफसर, अभियंता और बाबुओं की लिस्ट पहले से तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा के बाद इस काम में आयकर विभाग के कई अन्य अफसरों को लगाया गया है और उन्हें 31 दिसंबर तक जांच पड़ताल कर रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। इसके बाद छापे, सर्वे आदि की कार्रवाई होगी।

अमर उजाला 19/11/16